



सूर्योदय  
उत्तराञ्चल में सोमवार  
साथ 5:30 बजे



सूर्योदय  
उत्तराञ्चल में सोमवार  
सुबह 6:30 बजे



हल्द्वानी

सांघ्य दैनिक

# उत्तराञ्चल दीप

सबके हाथ सच के साथ

प्लास्टिक सर्जरी के दावों को...पृष्ठ-3 पर



वर्ष 16 अंक 118 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु.

सोमवार, 28 अक्टूबर 2024

## News

## काँसर

जमू-कश्मीर के अखनूर में  
आतंकियों का हमला, सेना  
के वाहन पर बरसाई गोलियां



श्रीनगर। जमू-कश्मीर के अखनूर में  
आतंकियों ने सेना के वाहन को निशाना  
बनाया और कई राडर फायरिंग की।  
सुरक्षा बल फिलहाल बड़े पैमाने पर  
तलाशी अभियान चला रहा है। अधिक  
जानकारी का इतराफ़ है। प्रार्थिक  
रिपोर्टों के अनुसार, आतंकवादी  
गोलीबारी करने के बाद भौंक से भाग  
गए। फिलहाल सुरक्षा बल तलाशी  
अभियान चला रहा है। अधिक जानकारी  
की प्रतीक्षा है।

## बीटी पांडे अस्पताल में हर

## रोज मरीजों में झजफ़ा

नैनीताल। सदियों के चलते राजकीय  
बी.डी.पॉर्से लिया अस्पताल में आगे  
वाले अधिकतर मरीजों में अस्थाया  
संख्या में झजफ़ा हुआ है। बता दें कि  
जिला अस्पताल में अधिकतर मरीज 45  
से 70 वर्ष के आ रहे हैं, सॉर्टीयों के  
लक्षण खासी, बुद्धांत तथा सीने में दर्द  
तथा पेशाब जैसे जलन करने के साथ  
के लक्षण बार-बार छोड़ आना, सुखी  
खासी तथा सासें फूलना तथा आंखों में  
खुजली व आँखें आना आदि है। बचाव  
के लिए अधिकतर सॉर्टीयों की सेवन करने वाले  
लोगों में पांच रुपए ही हैं, बचाव के  
लिए अधिकतर जलन करने के साथ  
सेवन करने वाले फलों की सेवन करने  
के लिए अधिकतर जलन करने के साथ  
सेवन करने तथा नमी से बचाव करे।  
चिकित्सक से सलाह लेने के बाद ही  
सही दवाई का सेवन करें। यह जानकारी  
जिला अस्पताल के डॉ. अधिकारी कृष्ण  
गुप्त चेस्ट फिजी जीवित्यन के दी है।

**सीजन में पहली बार रेड जोन में  
पहुंचा ग्रेनो का वायु प्रदूषण**

## नई दिल्ली

एजेंसी रिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक  
(एक्यूआई) 312 दर्ज किया गया,  
जबकि नोएडा का एक्यूआई 304 रहा।  
देश में ग्रेनो रायरा और नोएडा 5वां  
सबसे प्रदूषित शहर है।

शहर में वायु प्रदूषण का स्तर इस

सीजन में पहली बार 300 के पार रेड

जोन में पहुंच गया है। रिवार को वायु

गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 312

दर्ज किया गया, जबकि नोएडा का

एक्यूआई 304 रहा। देश में ग्रेनो तीसरा

और नोएडा 5वां सबसे प्रदूषित शहर

है। सर्दी शुरू होने के साथ ही दिल्ली-

-एनसीआरी की हवा प्रदूषित होना शुरू हो जाता है। दिल्ली का एक्यूआई कई

दिन पहले रेड जोन में 300 के पार

पहुंच चुका है। नोएडा का एक्यूआई

भी रेड जोन में पहुंच गया था, लेकिन

ग्रेनो नोएडा का एक्यूआई ग्रेनो और

अरिंज जान में था। शनिवार को ग्रेनो

का एक्यूआई 232 रहा था। रिवार को

सबसे अधिक ग्रेनो वेस्ट में स्थिति

खराब रही। यहां एक्यूआई 330 से

अधिक रहा है। ये पीसीसीओ का कठन

है कि दो दिन में प्रदूषण का स्तर

अन्वन्दी से बढ़ा जाए। सड़कों की धूल

पर नियन्त्रण नहीं है।

ग्रेनो का एक्यूआई कई

दिन पहले रेड जोन में 300 के पार

पहुंच चुका है। नोएडा का एक्यूआई

भी रेड जोन में पहुंच गया था,

लेकिन ग्रेनो नोएडा का एक्यूआई ग्रेनो और

अरिंज जान में था। शनिवार को ग्रेनो

का एक्यूआई 232 रहा था। रिवार

को सबसे अधिक ग्रेनो वेस्ट में स्थिति

खराब रही। यहां एक्यूआई 330 से

अधिक रहा है। ये पीसीसीओ का कठन

है कि दो दिन में प्रदूषण का स्तर

अन्वन्दी से बढ़ा जाए। सड़कों की धूल

पर नियन्त्रण नहीं है।

ग्रेनो का एक्यूआई कई

दिन पहले रेड जोन में 300 के पार

पहुंच चुका है। नोएडा का एक्यूआई

भी रेड जोन में पहुंच गया था,

लेकिन ग्रेनो नोएडा का एक्यूआई

अरिंज जान में था। शनिवार को ग्रेनो

का एक्यूआई 232 रहा था। रिवार

को सबसे अधिक ग्रेनो वेस्ट में स्थिति

खराब रही। यहां एक्यूआई 330 से

अधिक रहा है। ये पीसीसीओ का कठन

है कि दो दिन में प्रदूषण का स्तर

अन्वन्दी से बढ़ा जाए। सड़कों की धूल

पर नियन्त्रण नहीं है।

ग्रेनो का एक्यूआई कई

दिन पहले रेड जोन में 300 के पार

पहुंच चुका है। नोएडा का एक्यूआई

भी रेड जोन में पहुंच गया था,

लेकिन ग्रेनो नोएडा का एक्यूआई

अरिंज जान में था। शनिवार को ग्रेनो

का एक्यूआई 232 रहा था। रिवार

को सबसे अधिक ग्रेनो वेस्ट में स्थिति

खराब रही। यहां एक्यूआई 330 से

अधिक रहा है। ये पीसीसीओ का कठन

है कि दो दिन में प्रदूषण का स्तर

अन्वन्दी से बढ़ा जाए। सड़कों की धूल

पर नियन्त्रण नहीं है।

ग्रेनो का एक्यूआई कई

दिन पहले रेड जोन में 300 के पार

पहुंच चुका है। नोएडा का एक्यूआई

भी रेड जोन में पहुंच गया था,

लेकिन ग्रेनो नोएडा का एक्यूआई

अरिंज जान में था। शनिवार को ग्रेनो

का एक्यूआई 232 रहा था। रिवार

को सबसे अधिक ग्रेनो वेस्ट में स्थिति

खराब रही। यहां एक्यूआई 330 से

अधिक रहा है। ये पीसीसीओ का कठन

है कि दो दिन में प्रदूषण का स्तर

अन्वन्दी से बढ़ा जाए। सड़कों की धूल

पर नियन्त्रण नहीं है।

ग्रेनो का एक्यूआई कई

दिन पहले रेड जोन में 300 के पार

पहुंच चुका है। नोएडा का एक्यूआई

भी रेड जोन में पहुंच गया था,

लेकिन ग्रेनो नोएडा का एक्यूआई

अरिंज जान में था। शनिवार को ग्रेनो

का एक्यूआई 232 रहा था। रिवार

को सबसे अधिक ग्रेनो वेस्ट में स्थिति

खराब रही। यहां एक्यूआई 330 से

अधिक रहा है। ये पीसीसीओ का कठन

है कि दो दिन में प्रदूषण का स्तर

अन्वन्दी से बढ़ा जाए। सड़कों की धूल

पर नियन्त्रण नहीं है।

ग्रेनो का एक्यूआई कई

दिन पहले रेड जोन में 300 के पार

पहुंच चुका है। नोएडा का एक्यूआई

भी रेड जोन में पहुंच गया था,

लेकिन ग्रेनो नोएडा का एक्यूआई

अरिंज जान में था। शनिवार को ग्रेनो

का एक्यूआई 232 रहा था। रिवार

को सबसे अधिक ग्रेनो वेस्ट में स्थिति

खराब रही। यहां एक्यूआई 330 से

अधिक रहा है। ये पीसीसीओ का कठन

है कि दो दिन में प्रदूषण का स्तर

अन्वन्दी से बढ़ा जाए। सड़कों की धूल

पर नियन्त्रण नहीं है।

ग्रेनो का एक्यूआई कई

दिन पहले रेड जोन में 300 के पार

पहुंच चुका है। नोएडा का एक्यूआई

भी रेड जोन में पहुंच गया था,

लेकिन ग्रेनो नोएडा का एक्यूआई

अरिंज जान में था। शनिवार को ग्रेनो

का एक्यूआई 232 रहा था। रिवार

को सबसे अधिक ग्रेनो वेस्ट में स्थिति

खराब रही। यहां एक्यूआई 330 से

अधिक रहा है। ये पीसीसीओ का कठन

है कि दो दिन में प्रदूषण का स्तर

अन्वन्दी से बढ़ा जाए। सड़कों की धूल

पर नियन्त्रण नहीं है।

ग्रेनो का एक्यूआई कई

दिन पहले रेड जोन में 300 के पार

पहुंच चुका है। नोएडा का एक्यूआई

भी रेड जोन में पहुंच गया था,

लेकिन ग्रेनो नोएडा का एक्यूआई

अरिंज जान में था। शनिवार को ग्रेनो

का एक्यूआई 232 रहा था। रिवार

को सबसे अधिक ग्रेनो वेस्ट में स्थिति

खराब रही। यहां एक्यूआई 330 से

अधिक रहा है। ये पीसीसीओ का कठन

है कि दो दिन में प्रदूषण का स्तर

अन्वन्दी से बढ़ा जाए। सड़कों की धूल

पर नियन्त्रण नहीं है।

ग्रेनो का एक्यूआई कई

दिन पहले रेड जोन में 300 के पार

पहुंच चुका है। नोएडा का एक्यूआई

भी रेड जोन में पहुंच गया था,

लेकिन ग्रेनो नोएडा का एक्यूआई

अरिंज जान में था। शनिवार को ग्रेनो

का एक्यूआई 232 रहा था। रिवार

को सबसे अधिक ग्रेनो वेस्ट में स्थिति

खराब रही। यहां एक्यूआई 330 से

अधिक रहा है। ये पीसीसीओ का कठन

है कि दो दिन में प्रदूषण का स्तर

अन्वन्दी से बढ़ा जाए। सड़कों की धूल





